O

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: H.S.S.C. Exam.

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 1 2 6 परीक्षा का विषय भूगोल
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 6-3-09
3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C,या D) अनिवार्यतः भरें

कोड	सेट
U-2033	B

केन्द्र क्रमांक की सील

C.No.251034

2009

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

3614191

4. परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	2	5	1	7	8	9	4

नीचे दिये ... कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों ... उसी ... लिखा जाए :–

उन्तीस ... पच्चीस ... सत्र आठ नौ चार

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :–

क :– संख्या शब्दों में ______ अंकों में ______

ख :– परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 9 में है।

ग :– उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

B हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) ______ 06-03-09

S नाम पी.एस. अहिरवाल पद सहा. अध्या.

E पता / संस्था PIS ...

M परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

P हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्... यथा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन कि... पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक र...

हस्ताक्षर (परीक्षक) ______ हस्ताक्षर (उपमुख्य...

परीक्षक क्रमांक 214 दिनांक.................. दिनांक..................

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक / विषय / माध्यम / दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा / रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रॉस किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम मे उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक

प्रश्न 1 का उत्तर-

1 का अ उ० => हेमिटन

1 का ब उ० => औजार बनाना

1 का स उ० => नगरीय एवं विकसित अर्थव्यवस्था

1 का द उ० => राइन

1 का इ उ० =>

सरसता

B
S
E
M
P

प्रश्न 2 का उत्तर => सही जोड़ी

2 का अ सूती वस्त्र उद्योग → कृषि आधारित

2 का ब तृतीय श्रेणी के आर्थिक प्रदेश → लघु स्तरीय प्रदेश

2 का स बैलाडीला → लौह अयस्क

2 का द पश्चिम यमुना नहर → हरियाणा

2 का इ चावल → छत्तीसगढ़

प्रश्न 3 का उत्तर =>

3 का अ => कान्डला बन्दरगाह

3 का ब => अहमदाबाद को

3 का स => झारखण्ड राज्य

पृष्ठ के अंकों का योग

3 का द => मदा क्षेत्र

3 का इ => देहरादून

प्रश्न क्र.4 उत्तर है ⇒

4 (i) उत्तर ⇒ असत्य

4 (ii) उत्तर ⇒ सत्य

4 (iii) उत्तर ⇒ सत्य

4 (iv) उत्तर ⇒ असत्य

4 (v) उत्तर ⇒ असत्य

प्रश्न 5 उत्तर है ⇒

आकार के आधार पर नगरीय अधिवासों के प्रकार निम्न है –

(1) नगरीय पुरवा ⇒ नगरीय अधिवासों की यह सबसे छोटी इकाई होती है। इसकी जनसंख्या 50 से 150 तक होती है। दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुएँ होती है जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, दुकाने आदि।

(2) नगरीय गाँव ⇒ इन अधिवास की संख्या 150 से लेकर 500 तक होती है। दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुएँ पाई जाती है – दुकाने, स्वास्थ्य आदि।

(3) कस्बे ⇒ इसकी जनसंख्या 500 से लेकर 10,000 तक होती है। और इससे अधिक भी होती है। इनमें भी दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुएँ पाई जाती है।

(4) नगर ⇒ नगर की संख्या 10,000 से लेकर 50,000 तक होती है।

(5) महानगर ⇒ इसकी संख्या 50,000 से 1 लाख तक होती, व्यापारिक मण्डी, राजधानियाँ पाई जाती है।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न 6 का उत्तर →

रेलमार्गों को प्रभावित करने वाले कारक निम्न लिखित हैं-

(1) धरातल → रेलमार्गों को सबसे अधिक धरातल प्रभावित करता है। रेलमार्गों के लिए समतल मैदान अनुकूल होता है और इसमें रेलमार्ग बनाना आसान होता है जबकि इसके विपरीत पर्वतीय क्षेत्रों में रेलमार्ग बनाना आसान नहीं होता है।

(2) जलवायु → रेलमार्गों के विकास में जलवायु सबसे अधिक प्रभावित करती है। रेलमार्गों के लिए जलवायु समशीतोष्ण की आवश्यकता है जहाँ अधिक वर्षा होती है वहाँ रेल की पटरियाँ उखड़ जाती हैं जिससे लागत अधिक आती है।

(3) आर्थिक तत्व → रेलमार्गों को सबसे अधिक आर्थिक तत्व प्रभावित करते हैं क्योंकि भारत में व्यापार सम्बन्धी वस्तुओं का आयात निर्यात और रेलमार्गों द्वारा बन्दरगाहों के पास कच्चा माल पहुँचाने में सहायक होते हैं।

(4) राजनीतिक कारक → रेलमार्ग के विकास में राजनीतिक तत्वों का सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है क्योंकि रेलमार्गों द्वारा सैनिकों को एक स्थान से दूसरे स्थान में सहायक होते हैं।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृ०

प्रश्न 7 का उत्तर => **अथवा**

मानव विकास के आर्थिक सामाजिक संकेतक निम्न हैं - (अ) आर्थिक तत्व

(1) प्रतिव्यक्ति आय => मानव के आर्थिक विकास में प्रतिव्यक्ति आय का महत्वपूर्ण स्थान होता है। जिस क्षेत्र में प्रति व्यक्ति आय अधिक है उन व्यक्तियों का जीवन स्तर ऊँचा होगा और जहाँ पर प्रतिव्यक्ति आय कम है वहाँ का जीवन स्तर नीचा होगा

(2) उत्पादन => उत्पादन भी मानव के विकास में सहायक होता है। जिस क्षेत्र में उत्पादन सम्बन्धी कार्य किया जाता है वहीं पर मानव को रोजगार प्राप्त होता है जिससे रोजगार से उसे आय प्राप्त होती है और इस आय से अपना विकास तीव्र गति से कर सकता है।

(ब) सामाजिक तत्व

(1) शिक्षा => शिक्षा का मानव के विकास में महत्वपूर्ण स्थान होता है। शिक्षा मानव को अधिक कार्यकुशल बनाती है और मानव के ज्ञान में वृद्धि होती है। जब मानव ज्ञान से कार्य करेगा तो उसका विकास स्वाभाविक है।

(2) स्वास्थ्य => स्वास्थ्य शरीर में मानव के मस्तिष्क में स्वस्थ मानसिकता का वास होता है। जब मानव का शरीर शारीरिक, व मानसिक रूप से स्वास्थ्य होगा तो वह आगे विकास के बारे में सोचेगा।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न 8 उत्तर = अथवा

ग्रामीण एवं नगरीय बस्तियों में अंतर निम्न लिखित हैं –

ग्रामीण बस्तियाँ	नगरीय बस्तियाँ
(1) ग्रामीण बस्तियों के मकान मिट्टी के होते हैं और घास, फूस, खपरेल आदि के होते हैं	नगरीय बस्तियों के मकान पक्के व सीमेन्ट और लोहे से बने होते हैं।
(2) ग्रामीण बस्तियों का मुख्य व्यवसाय कृषि और पशुपालन आदि है। यह प्राथमिक व्यवसाय में लगे होते हैं।	नगरीय बस्तियों के मुख्य व्यवसाय शिक्षा, नौकरी आदि होते हैं। यह द्वितीय और तृतीय व्यवसाय में लगे होते।
(3) ग्रामीण बस्तियों का विकास अव्यवस्थित हुआ है।	नगरीय बस्तियों का विकास व्यवस्थित हुआ है।
ग्रामीण बस्तियों में आवास की समस्याएँ नहीं पाई जाती हैं। मकान एक मंजिल होते	नगरीय बस्तियों में आवास की समस्याएँ होती हैं। मकान बहुमंजिल होते हैं।
(5) प्रदूषण की समस्याएँ कम होती हैं।	प्रदूषण की समस्याएँ अधिक होती हैं।

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न क्र. 23 उत्तर

परिवहन एवं संचार तन्त्र में अन्तर निम्न है—

परिवहन	संचार तन्त्र
① परिवहन वह तन्त्र है जिसके माध्यम से द्रव्य पदार्थों को एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाते हैं।	संचार तन्त्र में हम अपने संदेशों या भावों को एक स्थान से दूसरे में भेजते हैं।
② परिवहन के लिए शक्ति के साधनों की आवश्यकता होती है जैसे विद्युत शक्ति आदि	संचार तन्त्र में शक्ति के साधनों की आवश्यकता नहीं होती बल्कि विद्युत
③ परिवहन के अन्तर्गत जैसे- गैस पाईप लाइन, दुग्ध, पेट्रोल आदि	संचार के अन्तर्गत इन तत्वों को नहीं बल्कि संदेशों को भेजा जाता है।
④ परिवहन की सबसे लम्बी पाईप लाइन हजीरा, विजय, जगदीशपुर आदि है	संचार के साधनों में तार, डाक, टेलीफोन, टेलेक्स, केबल आदि आते हैं।

B S E

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न 10 का उत्तर => अथवा (10क)

भूमि की गुणवत्ता से आशय है कि जब हम मृदा पर बार-बार कृषि करते हैं तब मृदा की उर्वरा शक्ति कम हो जाती है और हम मृदा पर फसल उगाते हैं तब कीटनाशकों, जीवनाशकों आदि का प्रयोग करने से मृदा में जो पोषक तत्व या ह्यूमस पाया जाता है उसमें कमी आ जाती है और सिंचाई बार-बार करने से अम्लीय अथवा क्षारीय समस्या उत्पन्न हो जाती है इसी को मृदाक्षरण या भूमि में गुणवत्ता में ह्रास कहते हैं।

भूमि की गुणवत्ता को बचाव के उपाय निम्न हैं-

(1) मृदा पर रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर हरि खाद, गोबर की खाद, हड्डी की खाद आदि का प्रयोग करना चाहिए।

(2) मृदा अपरदन को रोकने के लिए वृक्षारोपण करना चाहिए।

(3) खेत के चारों ओर वृक्ष लगाये ताकि जो पौधों की पत्ति से खाद बने और भूमि में पोषक तत्वों में वृद्धि हो।

(4) मृदा क्षय को रोकने के लिए वैज्ञानिक तरीकों का प्रयोग करना चाहिए।

(5) मृदा अपक्षय को रोकने के लिए फसल चक्रण क्रिया को अपनाना चाहिए।

योग पूर्व पृष्ठ

प्रश्न 11 का उत्तर ⇒

जनसंख्या परिवर्तन के घटक निम्न प्रकार से हैं—

① प्रजनन ⇒ प्रजनन का अर्थ है जन्म देने से है प्रजनन को ज्ञात करने के लिए अशोधित मृत्यु दर माप को अपनाया जाता है। इसके लिए एक वर्ष में जन्मे बच्चों की संख्या और मध्य वर्ष की अनुमानित संख्या से भाग देने पर प्राप्त होता है।

अशोधित जन्म दर = $\frac{\text{एक वर्ष में जन्मे बच्चों की संख्या}}{\text{मध्य वर्ष की अनुमानित संख्या}} \times 1000$

②

मृत्यु दर ⇒ मृत्यु दर से आशय है कि जब शिशु जीवित पैदा होता है और इसके पश्चात या जीवित होने को ही मृत्यु दर कहते हैं। इसकी माप के लिए अशोधित मृत्यु का प्रयोग करते हैं। एक वर्ष में मरने वाले बच्चों की संख्या तथा मध्य की अनुमानित संख्या से भाग देने पर प्राप्त होता है

अशोधित मृत्यु दर = $\frac{\text{एक वर्ष बच्चों के मरने की सं.}}{\text{मध्य की अनुमानित सं.}} \times 1000$

③ प्रवास ⇒ प्रवास के लिए कुमारी सेम्पल ने परिभाषित करते कहती है। जब मानव का धीरे-धीरे विकास हुआ तब उसका धीरे-धीरे स्थानान्तरण होने लगा है। प्रवास दो प्रकार के होते आप्रवास, उत्प्रवास

प्रश्न 12 का उत्तर => अथवा

उद्योगों की प्रमुख समस्याएँ निम्न हैं -

① कच्चे माल की पूर्ति का अभाव => उद्योगों की सबसे अधिक समस्या कच्चे माल की होती है और चाहे वह कृषि पर आधारित हो या फिर पशुपर या खनीज पर आदि। समस्याएँ होती हैं।

② प्रौद्योगिकी पिछड़ापन => उद्योगों की प्रमुख समस्या प्रौद्योगिकी की होती है। क्योंकि हमारे पास पर्याप्त में खनिज पदार्थ है लेकिन तकनीकि पिछड़ी होने से हम उनका दोहन नहीं कर पाते हैं।

③ वित्तीय समस्याएँ => उद्योगों की प्रमुख समस्या वित्तीय भी होती है। क्योंकि उद्योगों की स्थापना करने के लिए या फिर कच्चा माल खरीदने के लिए वित्त की आवश्यकता होती है। जो समय पर उपलब्ध नहीं हो पाती है।

④ कमजोर अर्थव्यवस्था => कमजोर अर्थव्यवस्था होने से हम उद्योगों का संचालन सही तरीके नहीं कर पाते हैं। जिससे उद्योग की मुख्य समस्या है। कमजोर अर्थव्यवस्था होने से हम अपना विकास नहीं कर पायेंगे।

⑤ कुशल प्रबन्ध की समस्या => उद्योगों में जो प्रबन्ध व्यवस्था होती है वह पूर्णरूपेण सही नहीं होती है। और न ही कुशल कर्मचारी होते हैं जिससे वे अपने उद्योगों का वैज्ञानिक आधारित संचालन नहीं कर पाते हैं।

⑥ यातायात की समस्या। ⑦ पूँजी की समस्याएँ

BSEM

पृष्ठ के अंकों का योग

B
S
E
M

प्रश्न 14 (ब) | उत्तर) | 14 क | ⇒

(क) भारतीय कृषि की समस्याएं निम्न हैं—

(1) उन्नत बीजों का अभाव ⇒ भारतीय कृषि में उन्नत बीजो का अभाव होने से कृषि उत्पादन में वृद्धि नहीं हो पाती है। जिससे खाद्यान्न की समस्याएं उत्पन्न हो जाती है।

(2) सिंचाई सुविधाओं का अभाव ⇒ कृषि की प्रमुख समस्याएं सिंचाई सुविधाओं अभाव पाया जाता है। जिससे कृषि का विकास पिछड़ा हुआ है।

(3) कृषि की मानसून पर निर्भरता ⇒ भारतीय कृषि मानसून पर निर्भर है, कभी वर्षा अधिक हो जाती है तो कभी वर्षा कम होती है जिससे उत्पादन प्रभावित होता है अधिक वर्षा से अकाल समस्याएं बन जाती हैं। इसके विपरीत सूखे की समस्याएं बन जाती हैं इसलिए कृषि को मानसून का 'जुआ' कहते हैं।

(4) प्रति हेक्टेयर उत्पादन में कमी ⇒ भारतीय कृषि उत्पादन में प्रति हेक्टेयर उत्पादन अन्य देशों की तुलना में कम पाया जाता है।

(5) रासायनिक उर्वरकों का अभाव ⇒ भारतीय कृषि में रासायनिक उर्वरकों का अभाव पाया है। जिससे कम उत्पादन आता है।

(6) आधुनिक यंत्रों की अभाव ⇒ भारतीय कृषि में आधुनिक यंत्रों का अभाव पाया जाता है जिससे लागत अधिक आती है। वस्तुओं की कीमत अधिक होती है। मांग कम होती है।

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

[15]

प्रश्न 15 का उत्तर निम्न है

सड़क मार्ग क्यों उपयुक्त है यह निम्न है –

(1) सबसे सुविधाजनक साधन ⇒ सड़क परिवहन अन्य साधनों की अपेक्षा सबसे सुविधाजनक है। क्योंकि सड़कों के माध्यम से हम निश्चित स्थान पर पहुँच जाते हैं।

(2) बहुउपयोगी साधन ⇒ सड़क परिवहन बहुउपयोगी होता है। क्योंकि एक बार सड़कों का निर्माण हो जाने पर पैदल चलने के लिए, घोड़ागाड़ी, स्कूटर, साईकिल के लिए उपयोगी होता है।

(3) कम खर्चीला ⇒ सड़क परिवहन अन्य साधनों की अपेक्षा कम खर्च खर्चीला होता है। क्योंकि 1 कि.मी. सड़क सड़क का निर्माण में 5 लाख रुपये का खर्च आता है। जबकि रेलों के 1 कि. मी. निर्माण में 15-20 लाख रुपये का खर्च आता है। इसलिए यह कम खर्चीला है।

(4) छोटे-छोटे गाँव को जोड़ने की क्षमता ⇒ सड़क परिवहन एक ऐसा साधन है जो छोटे-छोटे गाँव के लिए जोड़ता है और छोटे गाँव से कच्चा माल उद्योगों तक पहुँचाने का कार्य सड़कों द्वारा किया जाता है। और निर्मित माल उपभोक्ता केन्द्रों तक पहुँचाने में सहायक होता है।

(5) उद्योगों के विकास में सहायक ⇒ सड़क परिवहन उद्योगों के विकास में सहायक होता है। और साथ कृषि विकास में सहायक होता है

⑥ लोगो को रोजगार दिलाने मे सहायक ⇒ सड़क परिवहन द्वारा लोगों को रोजगार प्राप्त होता है जब देश मे प्राकृतिक कारण उत्पन्न होते है जैसे बाढ़ आना, भूकम्प आना, सूखा पड़ना आदि के समय सरकार सड़को का निर्माण करता है जिससे व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त होता है।

⑦ राष्ट्रीय आय मे सहायक

⑧ देश की उन्नति मे सहायक

⑨ शीघ्र नष्ट होने वाली वस्तुओ को शीघ्र पहुंचाने मे सहायक होता है।

प्रश्न 16 का उत्तर। 16 का

उत्तर ⇒

औद्योगिक अवस्थिति एवं समूहीकरण को प्रभावित करने वाले मे सहायक होते है जो तत्व निम्न है-

① कच्चे माल की सुलभता ⇒ औद्योगिक समूहीकरण के लिए कच्चा माल सुलभता से प्राप्त होना चाहिए। जहाँ पर कच्चा माल सुलभता से प्राप्त होता है वहीं पर उद्योग शीघ्र स्थापित हो जाते है। और जहाँ पर कच्चा माल प्राप्त नही होता है वहीं उद्योग स्थापित नहीं होते है।

② शक्ति के साधन ⇒ उद्योगो मे शक्ति के साधनो मे वही महत्व होता है। जिस प्रकार शरीर मे रक्त का महत्व होता है। जहाँ पर शक्ति के साधन जैसे कोयला, पेट्रोलियम जलविद्युत आदि पर्याप्त मात्रा उपलब्ध होता

B
S
E
M
P

वहाँ उद्योग शीघ्र स्थापित हो जाते है।

(3) सस्ते श्रमिक ⇒ उद्योग की समूहीकरण के लिए सस्ते श्रमिकों का महत्व होता और उद्योगों में सस्ते श्रमिक कुशल व ज्ञान वान होना चाहिए जहाँ पर कुशल श्रमिक होते है वहीं उद्योगपर्याप्त मात्रा स्थापित होते है।

(4) जल की सुविधा ⇒ जहाँ पर जल की सुविधा पर्याप्त होती है वहाँ उद्योग स्थापित हो जाते है। जल किस की सुविधा जहाँ नही होती है वहाँ उद्योग स्थापित नही होते है।

(5) यातायात के साधन ⇒ जिस स्थान पर यातायात के साधन पर्याप्त मात्रा में सुलभता से प्राप्त होते है वहीं उद्योग स्थापित हो जाते है। जहाँ पर यातायात के साधन नही पाये जाते वहाँ उद्योगो में कठिनाई का सामना करना पड़ता है

(6) (6) पूँजी की सुविधा ⇒ जहाँ पर पूँजी की सुविधा होती है वहाँ उद्योग स्थापित होते है उद्योगों को कच्चा माल खरीदने और तकनीक स्थापित करने के लिए पर्याप्त पूँजी की आवश्यकता होती है।

(7) बाजार की निकटता ⇒ जहाँ पर बजार की निकता पाई जाती है और उद्योग वस्तुओं की माँग अधिक होती है वहाँ उद्योग स्थापित होते है।

(8) अन्य कारण ⇒ (1) धरातल (2) जलवायु

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

16

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 16 के अंक	=	कुल अंक

प्रश्न 13 का उत्तर

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

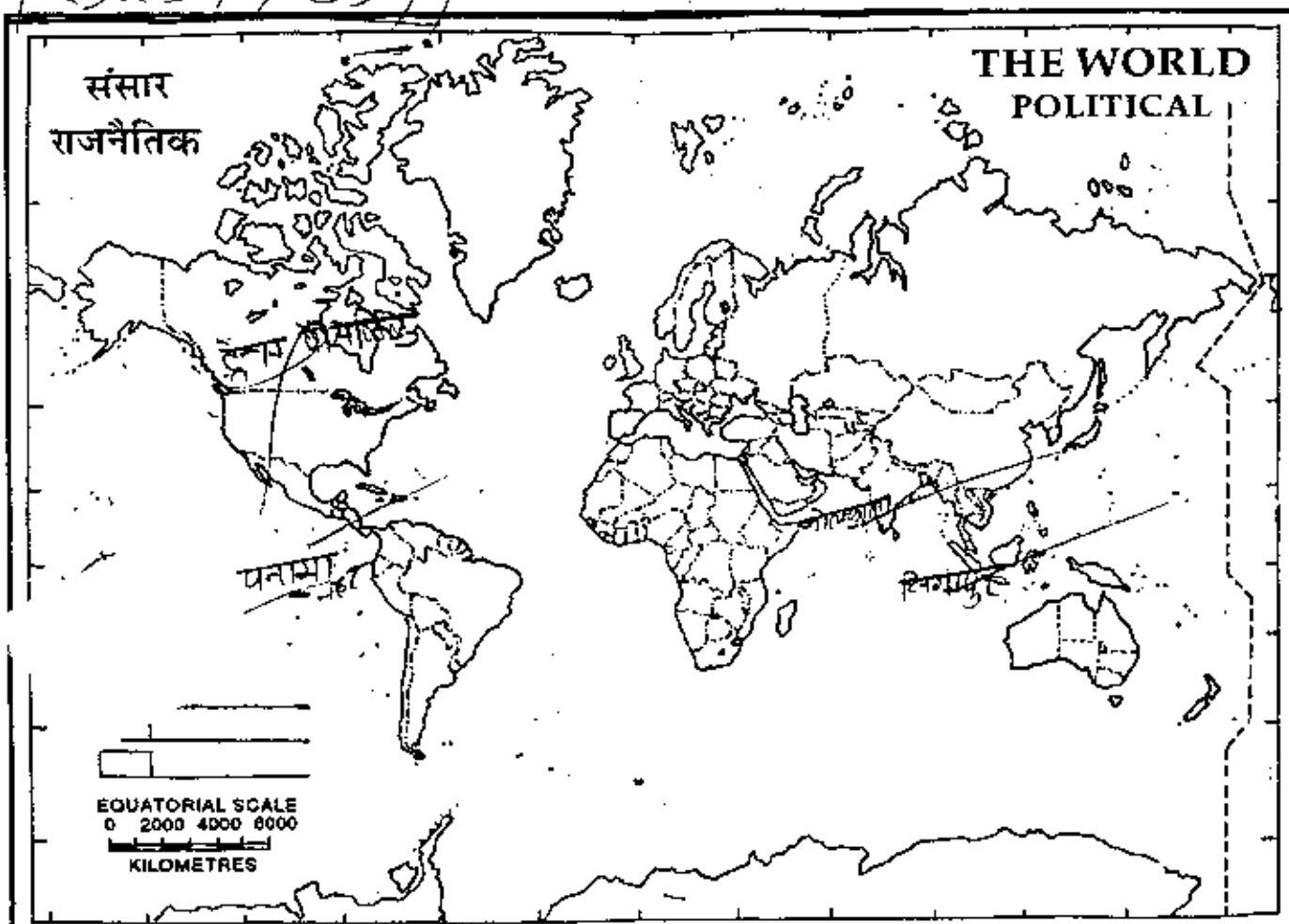

The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line.
The External Boundary of India shown on this map agrees with Record/Master copy certified by the Survey of India, Dehra Dun, vide their letter No. T.B 868 /62-A-3/213 dated : 25-3-94

योग पूर्व पृष्ठ

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 18 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 19 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 21 के अंक = कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 22 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 23 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 24 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग